**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 3061

उत्‍तर देने की तारीख: 22.03.2018

**पाठ्यक्रम को कम किया जाना**

3061. श्री नारायण लाल पंचारियाः

 डा. टी. सुब्बारामी रेड्डीः

 क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार स्कूली विद्यार्थियों को राहत प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम को घटाकर आधा करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने स्कूली बच्चों पर पाठ्यक्रम के भार का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन कराया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या पाठ्यक्रम के भार को कम करने से विद्यार्थियों को उनके सर्वांगीण विकास संबंधी कार्यकलापों में मदद मिलेगी; और

(च) यदि हां, तो सरकार स्कूल स्तर पर सर्वांगीण विकास संबंधी कार्यकलापों के लिए कोई आदर्श दिशानिर्देश तैयार करेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री उपेन्‍द्र कुशवाहा)**

(क) से (घ): शिक्षा का उद्देश्‍य समुदाय से अच्‍छे लोगों को लाना है। ज्ञान के साथ वास्‍तविक विकास के लिए, जीवन कौशल शिक्षा, मूल्‍यपरक शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, प्रयोग आधारित अध्‍ययन आवश्‍यक है। सृजनात्‍मक कौशल को पोषित करने की आवश्‍यकता है। सभी स्‍टेकहोल्डरों की यह मांग थी कि भारी पाठ्यचर्या के कारण, इन सभी पहलुओं के लिए समय नहीं बचता। साथ ही रटन अधिगम आगे बढ़ने का मार्ग नहीं है। अत: स्‍कूल पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाया जाना चाहिए। इसको प्राप्‍त करने के लिए, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) को सलाह दी गई है कि वे छात्रों के पाठ्यचर्या वजन को कम करने की दॄष्टि से अपनी पाठ्यचर्या की समी़क्षा करने की दिशा में कार्य करेंI इस संबध में एनसीईआरटी ने कार्यशाला आयोजित की है और पाठ्यचर्या वजन को कम करने के लिये निम्नलिखित कार्ययोजना प्रस्तुत की है:

1. निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विषय क्षेत्रों और कक्षाओं से संबंधित एनसीईआरटी पाठ्यचर्या तथा पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण करना:

 क. अधिगम निष्कर्ष

 ख. कक्षाओं और विषयों के बीच पाठ्यचर्या तारतम्यता

 ग. कंटेंट का अतिव्यापन (विज्ञान एवं भूगोल; भौतिकी एवं रसायन शास्त्र आदि)

 घ. भाषा की व्‍यापकता

 ड. कंटेंट की आयु – अनुरुपता

 च. विविध प्रसंग

(2) पाठ्यचर्या वजन को कम करने के संबंध में वेबपोर्टल के माध्‍यम से अध्यापकों, छात्रों, अभिभावकों और अन्य स्‍टेकहोल्‍डरों से सुझाव आमंत्रित करना I

(3) बच्चों के समग्र विकास के लिये पाठ्यचर्या सिद्धांतों की मैंपिंग, जीवन कौशलों और मूल्यों के माध्यम से प्रायोगिक शिक्षा हेतु कार्यढाँचा तैयार करना।

 मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वेबसाइट के माध्‍यम से विभिन्‍न स्‍टेकहोल्‍डरों से 05.03.2018 को सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। ये सुझाव 6 अप्रैल, 2018 तक दिए जा सकते हैं। एनसीईआरटी ने समाचार-पत्रों में विज्ञापन भी दिया है, जिसमें स्‍टेकहोल्‍डरों को पाठ्यचर्या भार को युक्तिसंगत बनाने पर अपने सुझाव भेजने हेतु एमएचआरडी की वेबसाइट के बारे में बताया गया है।

(ड.) और (च): स्‍कूल शिक्षा का उद्देश्‍य बच्‍चों का सर्वांगीण विकास करना है जिसमें विकास के विभिन्‍न पहलु जैसाकि संज्ञानात्‍मक, सामाजिक, भावानात्‍मक, शारीरिक मनोवैज्ञानिक आदि शामिल हैं। उपरोक्‍त पहलुओं के विकास हेतु पर्याप्‍त अवसर प्रदान करने के लिए पाठ्यचर्या को युक्तिसंगत बनाने से छात्रों के सर्वांगीण विकास में निश्चित रूप से मददगार होगा। इस मामले में आगे कार्रवाई इसके पाठ्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए एनसीईआरटी द्वारा किए गए कार्यों के परिणाम पर निर्भर करेगा।